MAA OMWATI DEGREE COLLEGE, HASSANPUR

B.A 2ND Semester

(HISTORY- Archives and Museum)

B.A – IInd Sem (SEC)
Archives & MUSEUM

UNIT – 1

प्रश्न-1 अभिलेख और संग्रहालय की परिभाषा उद्देश्य क्षेत्र एवं विस्तार का वर्णन करे

उत्तर अभिलेख :-

अभिलेख का मतलब है। किसी कठोर सतह पर लिखे गए पाठन सामग्री, अभिलेख को शिलालेख, ताम्रलेख, काष्ठलेख, लौहलेख आदि भी कहा जाता है। अभिलेख का इस्तेमाल प्राचीन काल से ही रहा है। अभिलेखों से हमे प्राचीन इतिहास, सामाजिक और आर्थिक परिस्थितियों के बारे मे पता चलता है। रिकॉर्ड को किसी भी चीज के रूप मे माना जाता है। – कागजात, कापुन प्रस्तुतियाँ, रिपोर्ट, पुस्तके, नक्से, ईमेल, तस्वीर, या दस्तावेजी सामग्री जो अतीत वर्तमान और भविष्य के व्यवसाय और संचालन के लिए दस्तावेज़कारी है।

अभिलेख के कितने प्रकार है ?? :-

भारत मे प्रस्तर का उपयोग अभि

लेखन के लिए कोई प्रकार से हुआ है। – गुहा की दीवारें, पत्थर की चट्टानें (चिकनी और कभी कभी खुरदरी) स्तंभ, शिलाखंड, मूर्तियां, आदि।

संग्रहालय की परिभाषा :–

अभिलेखागार दस्तावेजों, अभिलेखों और कलाकृतियों का संग्रह है। संग्रहालय जो संग्रहालय के संग्रह जुड़ी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित है। जिससे विद्यवानों को शोध पहुँचता है।

संग्रहालय समाज की सेवा में एक गैर-लाभकारी स्थायी संस्था है जो मूर्त और अमूर्त विरासत पर शोध, संग्रह, संरक्षण व्याख्या को प्रदर्शन करती है। वह स्थान जहाँ अनेक प्रकार की चीजों का संग्रह हो।

संग्रहालय के प्रकार :–

विज्ञान कला इतिहास, पर आधारित संग्रहालय

प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय
मूर्तिकला संग्रहालय, राज्य इतिहास संग्रहालय
सांस्कृतिक इतिहास, तारामंडल

○ अभिलेख और संग्रहालय के उद्देश्य

अभिलेख और संग्रहालय का मुख्य हमारी संस्कृति के अभिलेखों को सुरक्षित करना और उन तक पहुंचाना होता है। इससे हमारी संस्कृति के बारे में जान सकते हैं।

अभिलेख के उद्देश्य :

○ देश भर में अभिलेखों का वैज्ञानिक प्रबंध संरक्षण और प्रशासन को बढ़ावा

○ अभिलेखों संस्थान और पुरालेखपालों के बीच संबंध मजबूत करना।

○ अभिलेखीय संरक्षण तक पहुंच को आसान बनाना।

संग्रहालय के उद्देश्य :–

Page No. ___ Date 4 / / 20

- ऐतिहासिक वस्तुओं को इकट्ठा करना, संरक्षित करना,
- विज्ञान, प्रौद्योगिकी और उद्योग में विकास मील का पत्थर साबित होना
- मनोरंजन और शिक्षा प्रदान करना।

अभिलेख और संग्रहालय का क्षेत्र एवं विस्तार :-

भारतीय राष्ट्रीय अभिलेख में भारत सरकार का अप्रचलित अभिलेख का भण्डार है। यह अभिलेख सरकारी मंत्रालय के अंतर्गत आता है। इसका भोपाल में एक क्षेत्रीय कार्यालय, जयपुर, पुड्डुचेरी, और भुनवेश्वर तीन अभिलेख केन्द्र है।

- अभिलेख में लगभग 1.5 लाख दस्तावेज का संग्रह है।
- इसमें फारसी, अरबी, उर्दू, अंग्रेजी, हिन्दी, मोदी, राजस्थानी, मराठी, तुर्की बांग्ला और कई अन्य भाषाओं की लिपियाँ दस्तावेज है।

Page No. ___ Date 5 / / 20

- इसमें पांडुलिपियों, परवाना, हुकुम, खरीता, फरमान, आदि शामिल है।
- इसमें इनायत जंग, समूह, मन्नूरा दस्तावेज, हतिप्यो पेपर इत्यादि शामिल है।
- इसमें पुस्तकों, कागजात, पत्री, लिखित, पांडुलिपियों, मानचित्रों, योजना, डायरी आदि दस्तावेज के रूप में अभिलेख है।
- अभिलेख की रचना रक्षा के लिए आधुनिक वैज्ञानिक साधन उपलब्ध कराए गए है।

संग्रहालयों का क्षेत्रफल और विस्तार रखी गई वस्तुओं की संख्या पर निर्भर करती है। दुनिया के प्रमुख संग्रहालय बड़े शहरों में स्थित है

प्रश्न-2 भारत मे अभिलेखागार और संग्रहालय का इतिहास और उन्नति एवं प्रगति का वर्णन करें।

उत्तर भारत मे अभिलेखो और संग्रहालय का इतिहास, इसकी भूमिका महत्व को जानने के लिए जरूरी है।

भारत मे अभिलेखागार का इतिहास

राष्ट्रीय अभिलेखागार की उत्पत्ति 1860 ई० मे हुई थी। जब सिविल ऑडिटर सेडमैन ने अपनी रिपोर्ट मे नियमित प्रकृति के कागजात को नष्ट करके भीड़भाड़ से कार्यालयो को राहत देने और सभी मूल्यवान रिकॉर्डो को छोड़ सेंटल आकवाइव को स्थानान्तरित करने पर जोर दिया।

- संग्रहालय को जादूगर और अजायबघर के नाम से जाना जाता है।

- एशियाटिक म्यूजियम के जमाने से ही यह संस्थान भारत की जनता को भारत की कला और संस्कृति के प्रतीक के रूप मे अपनी सेवाएं दे रहा है।

- नाथनियल वालिच नाम के एक डेनिस वनस्पति शास्त्री के नेतृत्व मे साल 1814 मे इंडियन म्यूजियम कलकत्ता की स्थापना हुई थी।

- इलाहाबाद संग्रहालय को साल 1953-54 मे नए भवन मे स्थानान्तरित कर दिया।

भारत मे संग्रहालयो का इतिहास

यह मूलत 1784 मे सर विलियम जोन्स द्वारा स्थापित एशियाटिक सोसाइटी से संबंधित है जो बाद मे इम्पीरियल म्यूजियम नामक एक अलग इकाई के रूप मे विकसित हुआ। कुछ और बाद मे इसे इंडियन म्यूजियम कलकत्ता के रूप

Scanned with OKEN Scanner

Page No. __ Date 8/20

मे पहचान मिली। जिसकी स्थापना वालिच नाम के एक डेनिस वनस्पति शास्त्री के नेतृत्व मे वर्ष 1815 ई० मे हुई थी।

- इलाहाबाद संग्रहालय को सन् 1953-54 मे नए भवन मे स्थानांतरित किया गया था।

भारत मे संग्रहालयो के इतिहास के बारे मे जानकारी पाने के लिए निम्नलिखित बातो का उपयोग कर सकते है

- भारतीय संग्रहालय का इतिहास — आशुतोष द्वारा लिखी गयी की भारतीय संग्रहालय कलकत्ता के ट्रस्टीज ने प्रकाशित किया है। यह दुर्लभ पुस्तक है।

- भारत मे संग्रहालय आंदोलन की शुरुआत एशियाटिक सोसायटी से मानी जाती है।

Page No. __ Date 9/20

- साल 1784 मे सर विलियम जोन्स ने बंगाल मे एशियाटिक सोसाइटी की स्थापना की थी।

- बाद मे एशियाटिक सोसाइटी से अलग होकर इंपीरियल म्यूजियम बना।

भारतीय संग्रहालय के उन्नति एवं गुण

संग्रहालय :—

राष्ट्रीय संग्रहालय राष्ट्र्य की तकनीकी सांस्कृतिक और कलात्मक विकास की अवधारणा करता है। देश की सरकार प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप मे आनुके प्रशासन और वित के व्यय वजन्मेदार है।

संग्रहालय वे इमारते है जिनमे हम कलात्मक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक पारंपरिक और वैज्ञानिक रुची की कई चीजे देखते है। यह ज्ञान एक बहुत बड़ा स्रोत है। यह न केवल हमे ज्ञान देता है

Scanned with OKEN Scanner

Page No. __ Date 10/20

UNIT = II

प्रश्न-3 अभिलेखकार और संग्रहालय कितने प्रकार के होते है। वर्णन करे।

उत्तर अभिलेखकार और संग्रहालय :—

अभिलेखकार, ऐतहासिक समाज, पुस्तकालय और संग्रहालय हमारे समाज द्वारा बनाई गई संस्थान है। जो हमारी संस्कृति के अभिलेख को चुनने, संरक्षित करने और उन तक पहुंच प्रदान करने की भूमिका निभाती है।

अभिलेख और संग्रहालय कितने प्रकार के होते है :—

अभिलेख कई तरह के होते है, और संग्रहालय भी कई तरह के होते है।

अभिलेख के प्रकार :—

Page No. __ Date 11/20

- व्यापारिक और व्यवहारिक
- आभिचारिक
- उपदेशात्मक
- समर्पण या चढावा
- दान संबंधी
- प्रशासनिक
- प्रशस्ति
- स्मारक

संग्रहालय के प्रकार :—

- प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय
- मूर्तिकला संग्रहालय
- सांस्कृतिक इतिहास संग्रहालय
- चित्रशाला
- विज्ञान संग्रहालय
- स्थानीय इतिहास संग्रहालय
- राज्य इतिहास संग्रहालय
- तारामंडल
- बाल संग्रहालय
- कला संग्रहालय

अभिलेखकार और संग्रहालय, दोनों ही समाज की ऐतहासिक विरासत को

Scanned with OKEN Scanner

Page No. __ Date 1.2.20

संरक्षित करने वाला स्थान है। इन संस्थानों का मकसद हमारी संस्कृति से जुड़े अभिलेखों से अभिलेखों को चुनना, संरक्षित करना और उन तक पहुंचा देना होता है।

अभिलेखकार में ऐतिहासिक रिकॉर्ड जैसे कागजात, दस्तावेज, फाइलें, फोटोग्राफ और इस तरह की चीजें रखी जाती हैं। संग्रहालय में ऐतिहासिक, वैज्ञानिक, कलात्मक या धार्मिक महत्व की वस्तुएं रखी जाती हैं।

संग्रहालय के भी कई प्रकार हैं। चित्रशाला, प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय, विज्ञान संग्रहालय, स्थानीय इतिहास संग्रहालय, बाल संग्रहालय सहित कई प्रकार के संग्रहालय हैं।

○ अभिलेख भी कई प्रकार के होते हैं :-

Page No. __ Date 1.3.20

प्राचीन काल से ही अभिलेखों का इस्तेमाल हो रहा है। शासक अपने आदेशों को अभिलेख पर लिखवाते थे। ताकि लोग उन्हें देख, पढ़ कर उन का पालन कर सकें।

अभिलेखों को पत्थर या धातु जैसी कठोर सतहों पर उत्कीर्ण किया जाता है। भारत में अभिलेखन के लिए प्रस्तर का इस्तेमाल कई तरह से किया गया है।

व्यपारिक और व्यवहारिक अभिलेख

व्यपारिक के व्यवहारिक अभिलेखों में उनकी मुद्रा के रिकॉर्ड, लेखों और जोखों से जुड़ी जानकारी शामिल होती है। अभिलेखों से व्यपारियों के लेन-देन का पता चलता है।

प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय :-

प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय जैविक

Page No. 14

दुनिया के अध्ययन और खोज के लिए बना संस्थान है। इस मे जानवरों, पौधों, जीवाश्मों, खनिजों और पारिस्थितिक तन्त्रों से जुड़े होते है। संग्रहालय जीवन के इतिहास और विविधता का प्राथमिक रिकॉर्ड के रूप मे काम करता है।

उपदेशात्मक अभिलेख :-

जिन अभिलेखों मे उपदेश होते है उन्हे उपदेशात्मक अभिलेख कहते है। ये अभिलेख धार्मिक प्रयोजन के लिए बनाए जाते है। और इन के नैतिक और व्यवहारिक सबक होते है। अशोक के अभिलेखों मे उपदेशात्मक अंश बहुत ज्यादा मात्रा मे पाया जाता है।

चीन और यूनान मे उपदेशात्मक अभिलेख मिलते है। उपदेशात्मक अभिलेखों के उदाहरण अशोक के धर्मलेख, बेसनगर के छोटे -

Page No. __ Date 15

प्रश्न-5 अभिलेखागार और संग्रहालय की सुरक्षा संरक्षण एवं रख-रखाव का वर्णन करे।

उत्तर अभिलेख और संग्रहालय की सुरक्षा

अभिलेख और संग्रहालय की सुरक्षा के लिए कई उपाय किए जाते है, जैसे की - भौतिक सुरक्षा, अग्नि सुरक्षा और संरक्षण

भौतिक सुरक्षा :-

- अभिलेख भंडारण क्षेत्रों मे मजबूत ताले के साथ दरवाजे व खिड़किया लगाना।
- इस्तेमाल न होने पर फाइलिंग कैबिनेट और रिकॉर्ड भण्डार क्षेत्रों को बंद रखना।
- गार्डो द्वारा संग्रहालय के चारों ओर नियमित गश्त करना।

Red Wings Page No. __ Date 16__20__

अग्नि सुरक्षा :-

- इलेक्ट्रिकल कैबिनेट के लिए स्वचालित अग्नि शमन प्रणाली लगाना।
- आग लगाने पर तुरन्त रोकने के लिए अग्नि शमन प्रणालि का इस्तेमाल करना।

संरक्षण :-

- भुरभुरे नाजुक और अम्लीय अभिलेखों को ठीक करना।
- वि-अम्लीकरण प्रक्रिया के जरिए अभिलेखों की मौजूद अम्लता को कम करना।
- अभिलेखों की मरम्मत के लिए टिश्यू मरम्मत, फुल पेस्टिंग, लेमिनेशन, डॉकेटिंग, और बाइंडिंग जैसी तकनीकों का इस्तेमाल करना

Red Wings Page No. __ Date 17__20__

- अभिलेखों के संरक्षण के लिए फोटोग्राफिक रिकॉर्ड रखना।
- अभिलेखों के संरक्षण के लिए विशेष कारीगरी का इस्तेमाल करना।

अभिलेख संरक्षण :-

एक कुशल फाइलिंग प्रणालि संभावित हानि या क्षति के प्रति दस्तावेज कारी को सुरक्षा प्रदान करती है।

अभिलेख और संग्रहालय का रख-रखाव :-

अभिलेख संग्रहालयों का रख-रखाव करने के लिए मरम्मत संरक्षण और डिजिटल रुपातरण जैसे उपाय किए जाते है।

मरम्मत :-

- खराब स्थिति वाले अभिलेखों की छोटी-मोटी मरम्मत की जरूरत

Scanned with OKEN Scanner

Page No. __ Date 18/20

- भुरभुरे और नाजुक अभिलेखों को बड़ी मरम्मत की जरूरत होती है।

- टिश्यू मरम्मत, फुल पोस्टिंग, लेमिनेशन, डीकेटिंग और ब्राडिंग जैसी तकनीकों का इस्तेमाल किया जाता है।

संरक्षण :-

- अभिलेखों को संरक्षित रखने के लिए उन्हें ठीक स्टोर किया जाता है।

डिजिटल रूपांतरण :-

- ऑडियो कैसेट, वी एच एस टेप, विनाइल एलपी, और मोशन पिक्चर रील जैसी सामग्री में रूपांतरित किया जाता है।

- प्रेस कॉन्फ्रेंस कई अन्य कार्यक्रम शामिल है।

Page No. __ Date 19/20

संग्रहालय का रख रखाव :-

संग्रहालय के संरक्षण और रख-रखाव के लिए सावधानीपूर्वक देखभाल और रणनीति योजना की जरूरत है। संग्रहालय के संरक्षण के लिए ये उपाय किए जा सकते हैं।

- संग्रहालय की कमरों की सतहों को साफ करना।
- प्रदर्शन पर रखी वस्तुओं की सफाई के लिए कर्मचारियों का उल्लेख करना
- संग्रहालय में जलवायु नियंत्रित करना
- कलाकृतियों को रोटेशन करना
- संग्रहालय की किटों की आबादी पर नजर रखना।
- संग्रहालय में रखी वस्तुओं पर शोध करना।

Date 20.10.20

UNIT = III

प्रश्न-5 संग्रहालय मे प्रदर्शनो के प्रकार, सिद्धान्तो, बनावट एवं विकास का वर्णन करे।

उत्तर **संग्रहालय मे प्रदर्शन :-**

संग्रहालय मे प्रदर्शनियो के जरिए कलात्मक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक या वैज्ञानिक महत्व की वस्तुओ को जनता के सामने लाया जाता है। संग्रहालय मे प्रदर्शन स्थायी या अस्थायी दोनो प्रकार का हो सकता है।

संग्रहालयो मे प्रदर्शनियो के आयोजन

- भारतीय संग्रहालय, कलकत्ता ने साल 1964 मे भारतीय इतिहास और पुरातत्व विषय पर प्रदर्शनी आयोजीत की थी।
- सालारजंग संग्रहालय हैदराबाद ने भारतीय कला के विभिन्न आयामो पर प्रदर्शन आयोजित किया

Date 21.10.20

- नई दिल्ली के राष्ट्रीय संग्रहालयो ने आर्किटेक्टस ऑफ इंडिया नाम से प्रदर्शनिया आयोजित की है
- मथुरा संग्रहालय ने विद्यालयो, महाविद्यालयो और विश्वविद्यालयो के छात्रो के लिए सचल प्रदर्श आयोजित किया

संग्रहालयो मे प्रदर्शनियो के आयोजन मे कुछ पहलू :-

- संग्रहालयो मे प्रदर्शनियो के लिए विशेष रूप से अनुकूलित बसो एव ट्रेनो का इस्तेमाल किया जाता है
- कुछ देशो मे बहुउद्देशीय सांस्कृतिक केन्द्र विकसित किए गए।
- प्रदर्शनी की थीम तय करना
- प्रदर्शनी के लिए वस्तुओ का चयन करना

Page No. Date 22

संग्रहालयों में प्रदर्शनी के प्रकार :-

- तटस्थता की धारणा को चुनौती
- सुप्रचारित अस्थायी प्रदर्शनियों का आयोजन करना।
- सांस्कृति अवशेषों की रचना करना।
- संग्रहालयों में प्रदर्शनियों के लिए प्रकाश डिजाइन और प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करना।

संग्रहालयों से जुड़े सिद्धांत :-

- संग्रहालयों में सचल प्रदर्शनियों का आयोजन करना।
- संग्रहालयों में टेपरिकार्डर का इस्तेमाल करना।
- संग्रहालयों में केसों और दीवारों पर चीजों के लिए उपयुक्त वातावरण बनाना।
- संग्रहालयों में प्रसार सेवा का सहारा लेना।

Page No. Date 23

संग्रहालयों में प्रदर्शन के लिए बनावट कई तरह की होती है, जैसे की डिस्प्ले केस, पैडस्टल और विभाजन इनकी बनावट कस तरह है।

- कंकाल - फ्रेमयुक्त डिस्पले केस
- कांच के सामने और चौड़ी परिधि पट्टी के साथ डिस्पले कैबिनेट
- पूर्णतः कांच से बने, फ्रेम रहित डिस्पले केस।

संग्रहालय प्रदर्शन बनावट नियम :-

- केस, प्लिंथ, पेडस्टल और विभाजन स्थिर, साफ-सुथरा, और प्रदर्शित वस्तुओं के अनुकूलन होना चाहिए।
- यह कीट और कृतक रोधी होना।
- प्रकाश कस तरह होना चाहिए की प्रदर्शनियों पर छाया न पड़े।

Scanned with OKEN Scanner

संग्रहालयो का विकास, वस्तुओं को इकट्ठा करने और संरक्षित करने से आगे बढ़कर, अब संवाद और वार्तालाप के केन्द्र बन गए है। संग्रहालयो मे शिक्षा के कई तरह से अनुभव मिलते है

संग्रहालयो का विकास :-

- संग्रहालयो ने अब समुदायो की सक्रिय भागीदारी के साथ काम करना शुरु किया गया है।
- संग्रहालयो मे अब शैक्षणिक सुविधाओं, अवकाश गतिविधियो के स्रोतो और सूचना का ज्ञान मिल
- भारत मे संग्रहालयो के विकास की बात करे, तो कोलकाता मे स्थित भारतीय संग्रहालय, एशिया-प्रशांत क्षेत्र का संग्रहालय था। इसकी स्थापना 2 फरवरी 1814 ई० पू० मे हुई थी।

प्रश्न-6 संग्रहालय मे विभिन्न प्रकार की सामग्री का वर्णन करे।

उत्तर संग्रहालयो मे कई तरह की सामग्री होती है। कलाकृतियां, मूर्तियां, वस्त्र, पुस्तक, हड्डियां और वस्तुए संग्रहालयो मे रखी जाने वाली सामग्री इस प्रकार है।

संग्रहालयो मे रखी सामग्री :-

- कलाकृतियां, मूर्तियां, शिल्पकृतियां
- वस्त्र जैसे की टेपेस्ट्री, गलीचे, रजाइयां, झंडे, कपड़े, परदे, गद्दी फर्नीचर, गुड़िया।
- पुस्तक, पांडुलिपियां, और दुर्लभ किताबे
- चीनी मिट्टी के बर्तन, कांस्य तामचीनी, लोहे के बर्तन, कढ़ाई, कलाकारी।

Page No. 26

- हड्डीया, हाथी दांत, चमडा।
- लकडी और जडी से बनी जापानी और चीनी कला वस्तुए।
- २०वी शताब्दी से पहले की रेलगाडी
- धातु, हरे पत्थर की वस्तुए और खिलौने से बनी संनार।

* संग्रहालयो मे रखी जाने वाली सामग्री की सुरक्षा और संरक्षा के लिए सापेक्ष आर्द्रता और तापमान मे उतार-चढाव को ध्यान मे रखा जाता है। संग्रहालयो मे रखी जाने वाली सामग्री को सुरक्षित रखने का काम संरक्षक करता है।

संग्रहालयो मे कौन सी चीजे रखी जाती है :-

संग्रहालय संग्रह अक्सर एक

Page No. 27

ही संग्रह से विभिन्न सामग्रीयो से बने होते है। जिनमे शामिल है। लेकिन इन्ही तक सीमित नही है। कैनवास, तेल और ऐक्रेलिक पेंट, लकडी, दांत, कागज, हड्डी, चमडा और वस्त्र। संग्रहालय संग्रह के लिए सबसे बडा संरक्षण मुद्दा सापेक्ष आर्द्रता और तापमान मे उतार-चढाव है।

* संग्रहालय हमारे धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक मूल्य की वस्तुओ और सामग्रीयो को एकत्रित और संरक्षित करते है। ये संग्रहालय हमारी सांस्कृतिक और विरासत को बढावा देते है।

* चित्रशाला, प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय, विज्ञान संग्रहालय, स्थानीय इतिहास संग्रहालय, और बाल संग्रहालय सहित कई संग्रहालय है।

Scanned with OKEN Scanner

Page No. __ Date 28/__/20__

UNIT = IV

प्रश्न-7 अभिलेखागार और संग्रहालय के प्रति समाज की क्या भूमिका है। वर्णन करें।

उत्तर अभिलेखागार और संग्रहालय समाज की सांस्कृतिक विरासत और इतिहास को संरक्षित करने में अहम भूमिका निभाती है। इनमें रखी चीजों से हम अपनी संस्कृति के बारे में जान सकते हैं और अतीत के लोगों के जीवन-शैली और रीति-रिवाज के कामों के बारे में पता लगा सकते हैं।

अभिलेखागार और संग्रहालय में भूमिका :-

- ये संस्थाएं हमारी संस्कृति के अभिलेखों को चुनती है, संरक्षित करती है और उन तक पहुंचने का जरिया बनाती है।

Page No. __ Date 28/__/20__

* अभिलेखागार, ऐतिहासिक समाज, पुस्तकालय, और संग्रहालय हमारे समाज द्वारा बनाई गई संस्थान है। जो हमारी संस्कृति के अभिलेखों को चुनने, संरक्षित करने और उन तक पहुंच प्रदान करने की भूमिका निभाती

अभिलेख और संग्रहालय के प्रति समाज की भूमिका :-

अभिलेखागार और संग्रहालय समाज की संस्कृति को संरक्षित करने और उसे आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते है। समाज को इन संस्थानों के प्रति जागरूक होना चाहिए, और इन से जुड़े संस्थानों का लाभ उठाना

- ये संस्थान समाज के मनोरंजन के लिए अच्छा साधन है।

- अभिलेखागार और संग्रहालय समाज की सांस्कृतिक विरासत और इतिहास को संरक्षित करते है।

Red Wings
Page No.___ Date 3.9.20

अभिलेखागार और संग्रहालय समाज को अपने अतीत और वर्तमान के बारे मे जानकारी देता है।

Scanned with OKEN Scanner